are not always necessarily up to the expectation. In Government hospital compounds, touts are engaged to lure away patients to private clinics. Sophisticated machines are shown as 'out-of-order' in the Government hospitals forcing patients to get examined outside. Medicine dealers representing big companies prevail upon doctors to prescribe their brands of medicine. Spurious drugs are seen flooding medicine shops. Human organs are removed from bodies of unsuspecting patients for sale. Even new-born babies can be sold for heavy amounts. Surprisingly enough, persons without medical education or degree can claim to be qualified doctors in some private clinics. Health being a State subject, many State Governments find no money to supply most essential elementary necessities to the Primary Health Centres. Abysmal conditions in health services need adequate attention for remedy. While improving health service, the Government should also try to prevent unethical practices in the name of medical practices.

DR. A.K. PATEL (Gujarat): Sir, I associate myself with this Special Mention.

Demand for enhancing VSNL facility in the hilly areas of Uttaranchal

श्री हरीश रावत (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदया, उत्तरांचल के पर्वतीय क्षेत्रों मे वी0एस0एन0एल0 के द्वारा सेल्युलर सेवा प्रारंभ किए हुए कई माह बीत चुके हैं मगर यहां उपलब्ध सेवा नेटवर्क विफलता की गंभीर रूप से शिकार है। लैंड लाइन से मोबाइल पर एवं मोबाइल से लैंड लाइन पर लगातार व्यवधान उत्पन्न होना आम बात हो गई है। मोबाइल से मोबाइल एवं लैंड लाइन से मोबाइल पर लाइन मिलाने पर रूट बिज़ी होने का रटा रटाया स्वर सुनाई देता है और यदि कभी लाइन मिलती भी है तो कमजोर सिग्नल के कारण बात करना लगभग असंभव है। रोमिंग सुविधा देने का तो वीएसएनएल का दावा पूर्णतः खोखला साबित हो रहा है। वी0एस0एन0एल0 की दोनां योजनाएं, चाहे पोस्टेड सेवा हो या प्रीपेड सेवा हो, उपभोक्ताओ के लिए एक महंगा सौदा साबित हो रहा है। इससे भारत सरकार की महत्वपूर्ण कम्पनी के प्रति उपभोक्ताओ का विश्वास लगातार टूट रहा है।

(उपसभापति महोदया पीठासीन हुईं।)

अतः उत्तरांचल के पर्वतीय क्षेत्रो मे वी0एस0एन0एल0 द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा को जनहित मे सुधारा जाना चाहिए। धन्यवाद।

Need for erection of National Memorial for Martyrs of Kakori incident in Lucknow

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, देश की आजादी की लड़ाई मे महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए आन्दोलन के साथ साथ देश के महान क्रान्तिकारियों का भी योगदान था। 9 अगस्त 1925 को काकोरी-कांड हुआ। इस कांड मे सम्मिलित मानते हुए देश के महान क्रांतिकारियों पर लखनऊ मे अंग्रेजों के एक नाच-घर मे

विशेष अदालत चलाकर नाम-चार का मुकदमा चलाया गया और मनमाने ढंग से कार्यवाही कर राष्ट्रवादी क्रांतिकारियो को सजाएं सुना दी गयी। पांच सर्वशहीद चन्द्रशेखर आज़ाद, अशफाकउल्ला खां, रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र सिंह लाहिड़ी तथा रोशन सिंह को फांसी की सजा तथा 18 क्रांतिकारियों को विभिन्न वर्षों के कारावास की सजा दी गयी। अमर शहीद अशफाकउल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र सिंह लाहिड़ी तथा रोशन सिंह फांसी के तख्ते पर झुला दिए गए। यह दिखावे का मुकदमा जिस लखनऊ के हजरतगंज में स्थित इमारत में चलाया गया, वहां आज जनरल पोस्ट ऑफिस चलता है। विभिन्न संगठनों ने तथा स्थानीय जनता ने इस इमारत को अमर शहीदों की स्मृति को समर्पित राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग की है। महोदया, लखनऊ माननीय प्रधानमंत्री जी का चुनाव क्षेत्र है और वहां ऐसे अनेक स्मारक बनाए जा रहे हैं जिनके परिचय की मोहताज स्थानीय जनता बनी हुई है लेकिन अमर शहीदो के राष्ट्रीय स्मारक की मांग अभी तक अनसुनी है। जीपीओ किसी भी इमारत मे चलाया जा सकता है। महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से उक्त इमारत को काकोरी-कांड के अमर शहीदों एवं क्रांतिकारियों की याद मे "राष्ट्रीय शहीद स्मारक" बनाए जाने की मांग करता हूं। धन्यवाद।

SHRI EDUARDO FALEIRO (Goa): Sir, I associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member.

SHRI JIBON ROY (Wset Bengal) : I also associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member.

डा0 अबरार अहमद (राजस्थान) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती गुरचरण कौर (पंजाब) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

डा0 फागुनी राम (बिहार) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, काकोरी कांड से संबंधित जिन शहीदो ने देश की स्वतंत्रता की खातिर अपने प्राणों की आहुति दे दी, उनकी समृति में इस प्रकार के शहीद स्मारक बनाना बहुत जरूरी है। ये वे शहीद हैं जो हर कौम का प्रतिनिधित्व करते आए हैं, चाहे चन्द्रशेखर आज़ाद हों, चाहे अशफाकउल्ला खां हो और चाहे रोशन सिंह जैसे लोग हों, इसलिए यह कौमी एकता का भी प्रतीक रहेगा और देश को आजादी दिलाने के लिए जिन महान शहीदो ने अपने प्राणो को न्यौछावर कर दिया, उनके लिए भी सही सम्मान होगा। मैं अपने आपको अपनी पार्टी की ओर से इससे संबद्ध करता हूं।

श्री एस0एस0 अहलुवालिया (झारखंड) : महोदया, काकोरी कांड के नाम पर राष्ट्रीय स्मारक बनाने की बात कही है। वैसे तो आज़ादी की लड़ाई समाप्त हुए और आज़ादी प्राप्त हुए काफी दिन हो गये पर यह हमारा दुर्भाग्य है कि हम अभी तक उन शहीदों को पूरी तरह सम्मानित नही कर सके और उनकी जगह स्मारक नही बना सके। लोग कहते हैं कि "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले"। जो देश अपने शहीदो को भूल जाता है, वह देश गुलामी की तरफ अग्रसर होता है। आज तक यह स्मारक नही बना, यह हमारा दुर्भाग्य है पर अब तुरंत बने, उसका रास्ता निकलना चाहिए ।

SOME HON. MEMBERS: We also associate ourselves with the sentiments expressed by the hon. Member.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Not only the whole House associates with this, even the Chair also associates itself with it. And, I would like the Minister for Parliamentary Affairs to convey the sentiments of the House to the Government. Since I come from a family that had participated in the freedom struggle, I can understand the feelings of the House.

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल): उपसभापति महोदया, शहीदो के प्रति सदन द्वारा जो भावना व्यक्त की गयी है, मैं समझता हूं कि सरकार उसका जरूर संज्ञान लेगी।

उपसभापति : वह प्रधानमंत्री जी की कॉन्स्टीट्यूऐंसी है इसलिए जल्दी हो जाएगा।

श्री शंकर राय चौधरी (पश्चिमी बंगाल) : मैडम, मैं इस संबंध में कुछ कह सकता हूं।

उपसभापति : अब तो सबने कह दिया है। After the Chair's association. ...*(Interruptions)*...

श्री शंकर राय चौधरी : मैं फरदर असोसिएशन करना चाहता हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The point is, once the Chair associates and gives a direction, there does not remain any scope for addition. Do you want to do more than that?

श्री शंकर राय चौधरी : नेशनल वॉर मैमोरियल, जो उन शहीदों को भूल जाते हैं, वह भी गलत है। ये उसे भूल गये हैं।

श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल : महोदया, मैं इस प्रोजैक्ट में एमपी लैड से दस लाख रुपये देने को तैयार हूं। अगर यू.पी. के सब एमपीज़ दे सकेंगे तो वहां पर शहीद स्मारक बहुत जल्दी बन जाएगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, Shri C.P. Thirunavukkarasu.